



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 7, 1978/वोच 17, 1899

No. 1]

NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 7, 1978/PAUSA 17, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भाग II—खण्ड 4

### PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सविधिक नियम और आदेश

### Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर, 1977

का० नि० आ० 1.—छावनी अधिनियम 1924 (1924 की 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा श्री पी० के० दीक्षित कार्यकारी मजिस्ट्रेट, के त्याग-पत्र का स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड मारार की सदस्यता में एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/56/सी०/एल०एण्ड सी०/68/3990-सी०/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

#### MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 26th December, 1977

S.R.O. 1.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board Morar by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri P. K. Dixit Executive Magistrate.

File No. 19/56/C/L&C/68/3990-C/D(Q&C)]

का० नि० आ० 2.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 की 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि श्री एन० के० वैद्य कार्यकारी मजिस्ट्रेट को, उस अधिनियम की धारा 13(4)(ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला कलेक्टर ग्वालियर द्वारा, श्री० पी० के० दीक्षित कार्यकारी मजिस्ट्रेट जिन्होंने त्याग पत्र दिया है, के स्थान पर छावनी बोर्ड मारार के सदस्य के रूप में नाम निर्देशित किया गया है।

[फाइल सं० 19/56/सी०/एल०एण्ड सी०/68/3990-सी०-I/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 2.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri N. K. Vaidya Executive Magistrate, has been nominated as a member of the Cantonment Board Morar by the District Collector Gwalior in exercise of the powers conferred under section 13(4)(b) of that Act vice Shri P. K. Dixit Executive Magistrate resigned.

[File No. 19/56/C/L&C/68/3990-CI/D(Q&C)]

का० नि० आ० 3.—छावनी अधिनियम 1924 (1924 की 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा श्री भुजंग राव कार्यकारी मजिस्ट्रेट के त्याग-पत्र को स्वीकार कर लिए जाने के कारण छावनी बोर्ड सेण्ट थॉमस माउंट-कम-पल्लावरम की सदस्यता में एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/5/सी०/एल०एण्ड सी०/65/3985-सी०/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 3.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board St. Thomas Mount-cum-Pallavaram by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Shri G. Bhujanga Rao Executive Magistrate.

[File No. 19/5/C/L&C/65/3985-C/D(Q&C)]

का० नि० आ० 4.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 की 2) की धारा 13 की उपधारा (7) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा अधिसूचित करती है कि श्री थिरु एस० मुहम्मद गानी कार्यकारी मजिस्ट्रेट को, उस अधिनियम की धारा 13 (3)(ख) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिला मजिस्ट्रेट चिंगलपट्टु द्वारा, श्री भुजंग राव कार्यकारी मजिस्ट्रेट जिन्होंने त्यागपत्र दिया है, के स्थान पर छावनी बोर्ड सेण्ट थॉमस माउंट-कम-पल्लावरम के सदस्य के रूप में नाम निर्देशित किया गया है।

[फाइल सं० 19/5/सी०/एल०एण्ड सी०/65-3985-सी०-1/डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 4.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Shri Thiru M. Mohamed Ghasi, Executive Magistrate, has been nominated as a member of the Cantonment Board St. Thomas Mount-cum-Pallavaram by the District Magistrate Chengalpattu in exercise of the powers conferred under section 13(3)(b) of that Act vice Shri G. Bhujanga Rao Executive Magistrate resigned.

[File No. 19/5/C/L&C/65/3985-C-I/D(Q&C)]

का० नि० आ० 5.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड महु के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने बाडों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं:—

(1) श्री बदलूराम चरिहार	वाडें सं० I
(2) श्री हरिशचन्द	वाडें सं० II
(3) श्री अ० रसीद	वाडें सं० III
(4) श्री बदरी नारायण	वाडें सं० IV
(5) श्री मेहबूब रेहमान	वाडें सं० V
(6) श्री सुरेशचन्द खण्डेलवाल	वाडें सं० VI
(7) श्री बाबूलाल	वाडें सं० VII

[फाइल सं० 29/32/सी०/एल०एण्ड सी०/77/3971-सी०/डी०  
(क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 5.—In pursuance of sub-section(7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board, Mhow from Wards noted against each:—

(1) Badluram Churihar	Ward No. I
(2) Harishchand	Ward No. II
(3) Ab. Rashid	Ward No. III
(4) Badrinarayan	Ward No. IV
(5) Mehboobur Rehman	Ward No. V
(6) Suresh Chand Khandelwal	Ward No. VI
(7) Baboolal	Ward No. VII

[File No. 29/32/C/L&C/77/3971 C/D (Q & C)]

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1977

का० नि० आ० 6.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड किरकी के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने बाडों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं:—

1. श्री लक्का लक्ष्मण नागन्ना	वाडें सं० I
2. श्री गायकवाड़ रोहीदास बाबूराम	वाडें सं० II
3. डा० एस० डब्ल्यू० वी० फ्रेड्रिक्स	वाडें सं० III
4. श्री पिन्टो गिलबेट	वाडें सं० IV
5. श्री हिवरकर प्रकाश यादव	वाडें सं० V
6. श्री नायर भास्करन नारायणन	वाडें सं० VI
7. श्री सावंत बलीराम बापू	वाडें सं० VII

[फा० सं० 29/35/सी०/एल०एण्डसी०/77/4009-सी०/डी०]

New Delhi, the 27th December, 1977

S.R.O. 6.—In pursuance of sub-section(7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board Kirkee from the wards noted against each:

1. Shri Lakka Laxman Naganna	Ward No. I
2. Shri Gaikwad Rohidas Baburao	Ward No. II
3. Dr. S.W.V. Fredricks	Ward No. III
4. Shri Pinto Gilbet	Ward No. IV
5. Shri Hivarkar Prakash Yadav	Ward No. V
6. Shri Nair Bhaskaran Narayanan	Ward No. VI
7. Shri Sawant Balram Bapoo	Ward No. VII

[File No. 29/35/C/L & C/77/4009-C/D (Q & C)]

का० नि० आ० 7.—छावनी अधिनियम, 1924<sup>१</sup> (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, फिरोजपुर के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने बाडों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं:—

1. श्री मूलचन्द	वाडें सं० I
2. श्री प्रदुम्न	वाडें सं० II
3. श्री दर्शन सिंह	वाडें सं० III
4. श्री कन्हैया माल	वाडें सं० IV
5. श्री चरणजीत सिंह	वाडें सं० V
6. श्री हंस राज	वाडें सं० VI
7. श्री आई० बी० फ्रांसिस	वाडें सं० VII

[फाइल सं० 29/33/सी०/एल०एण्ड सी०/77/4010-सी०/डी०  
(क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 7.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Cantonment Board Ferozepur from the wards noted against each:—

1. Shri Mool Chand	Ward No. I
2. Shri Parduman	Ward No. II
3. Shri Darshan Singh	Ward No. III
4. Shri Kanahya Lal	Ward No. IV
5. Shri Charanjit Singh	Ward No. V
6. Shri Hans Raj	Ward No. VI
7. Shri I.B. Francis	Ward No. VII

[File No. 29/33/C/L & C /77/4010-C/D (Q & C)]

का० नि० आ० 8.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड खास योल की सदस्यता में कप्तान सी० एल० खण्डेलवाल के त्यागपत्र केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वीकार कर लिए जाने के कारण एक रिक्ति हो गई है।

[फाइल सं० 19/50/सी०/एल०एण्ड सी०/66/3984-सी०/डी०  
(क्यू० एण्ड सी०)]

S.R.O. 8.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that a vacancy has occurred in the membership of the Cantonment Board, Khas Yol by reason of the acceptance by the Central Government of the resignation of Capt. C. L. Khandelwal.

[File No. 19/50/C/L&C/66/3984-C/D(Q&C)]

का० नि० आ० 9.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि मेजर डी०के० सच्चर को आफिसर कमाण्डिंग स्टेशन द्वारा कप्तान सी० एल० खण्डेलवाल के, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्थान पर छावनी बोर्ड, खास योल के सदस्य के रूप में नाम निर्दिष्ट किया गया है।

[फाइल सं० 19/50/सी०/एल०एण्ड सी०/66/3984-सी०-1/

डी० (क्यू० एण्ड सी०)]

के०पी० भटनागर, अवसर सचिव

S.R.O. 9.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), the Central Government hereby notifies that Major D. K. Sachar, has

been nominated by the Officer Commanding the Station, as member of Cantonment Board Khas Yol vice Capt. C. L. Khandelwal who has resigned.

[File No. 19/50/C/L& 5/3984-C-1/D(Q&C)]  
K. P. RICE NAGAR, Under Secy.

नई दिल्ली, दिसंबर, 1977

का० नि० आ० 10—गाढ़वति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं) नियम, 1960 में निम्नलिखित संशोधन करते हैं, अर्थात्—

1. (1) इन नियमों का नाम सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं), संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 सामान्य भविष्य निधि (रक्षा सेवाएं) नियम, 1960 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) में, नियम 12 में, उप-नियम (1) में, मद (उ) के पश्चात् निम्नलिखित मद अस्तित्वापन की जाएगी, अर्थात्—

“(घ) प्लॉट का या अपने निवास के लिए मकान अथवा प्लैट के निर्माण का खर्च वहन करने के लिए या दिल्ली विकास प्राधिकरण अथवा किसी राज्य प्रासासन बोर्ड या मकान निर्माण महकमारी सोसाइटी द्वारा प्लॉट या प्लैट के आवंटन मद्दे सहाय करने के लिए।”

3. उक्त नियमों के नियम 15 में उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

(1) नियम 12 के उप-नियम (2) के अधीन विशेष कारणों से अग्रिम धन की मजूरी देने के लिए सक्षम प्राधिकारी, निम्नलिखित में से, ऐसी शर्तों पर जो विनिर्दिष्ट की जाएंगी, धन निकालने की, मजूरी—

(क) अभिदायकर्ता की सेवा के बीस वर्ष पूरे हो जाने के पश्चात् (जिसके अन्तर्गत सेवा की विछिन्न अवधियाँ, यदि कोई हो भी आती हैं) किसी भी समय, या उसकी अधिर्वाप्ति पर सेवा निवृत्ति की तारीख से पूर्व दस वर्ष भीतर, दोनों में से जो भी पूर्वतर हो, निधि में उसके खाते में जमा रकम में से निम्नलिखित प्रयोजनों में से किसी एक या अधिक के लिए दे सकते हैं, अर्थात्—

(क) अभिदायकर्ता अथवा अभिदायकर्ता की किसी संतान की निम्नलिखित दशाओं में, उच्चतर शिक्षा के व्यय को वहन करने के लिए, जिसमें, जहाँ आवश्यक हो वहाँ, यात्रा व्यय भी आता है, अर्थात्—

[ (i) भारत के बाहर शैक्षिक तकनीकी, व्यवसायिक या बृत्ति संबंधी हाई स्कूल, के प्रक्रम से आगे के पाठ्यक्रम की शिक्षा के लिए,

[ (ii) किसी चिकित्सीय, इंजीनियरी या अन्य तकनीकी या विशेष योग्यता संबंधी, हाई स्कूल के प्रक्रम से आगे के भारत से बाहर पाठ्यक्रम के लिए;

(ख) अभिदायकर्ता या उसके पुत्रों या पुत्रियों, या उस पर वस्तुतः आश्रित किसी अन्य महिला नातेदार के वाग्दान या विवाह के या वाग्दान और विवाह दोनों के संबंध में व्यय का वहन करने के लिए;

(ग) अभिदायकर्ता या उसके कुटुम्ब के किसी सदस्य या उस पर वस्तुतः आश्रित किसी व्यक्ति की बीमारी के संबंध में व्यय का वहन करने के लिए, जिसमें, जहाँ आवश्यक हो वहाँ, यात्रा व्यय भी आता है;

(ख) अभिदायकर्ता की सेवा के पन्द्रह वर्ष पूरे हो जाने के पश्चात् (जिसमें सेवा की विछिन्न अवधियाँ, यदि कोई हों, भी हैं किसी भी

समय, या उसकी अधिर्वाप्ति पर सेवा-निवृत्ति की तारीख के पूर्व दस वर्ष के भीतर, दोनों में से जो भी पूर्वतर हो, निधि में अभिदायकर्ता के नाम जमा राशि में से, निम्नलिखित प्रयोजनों में से किसी एक या अधिक के लिए दे सकते हैं, अर्थात्—

(क) अपने निवास के लिए कोई उपयुक्त मकान बनाने या कोई उपयुक्त मकान अथवा तैयार प्लैट लेने के लिए, जिसमें स्थान की कीमत भी सम्मिलित है;

(ख) अपने निवास के लिए कोई उपयुक्त मकान बनाने या कोई उपयुक्त मकान या तैयार प्लैट लेने के लिए विनिर्दिष्टतः लिए गए उधार की बकाया रकम को वापस करने के लिए,

(ग) अपने निवास के लिए मकान का निर्माण करने के लिए स्थान खरीदने के लिए अथवा इस प्रयोजन के लिए विनिर्दिष्टतः लिए गए उधार की बकाया किसी रकम को वापस करने के लिए,

(घ) अभिदायकर्ता के पहले से ही स्वामित्वाधीन या उसके द्वारा पहले से ही ले लिए गए मकान के पुनर्निर्माण के लिए अथवा उसमें परिवर्द्धन या परिवर्तन करने के लिए,

(ङ) कर्तव्य स्थान से भिन्न किसी स्थान पर अभिदायकर्ता के पैतृक मकान में सुधार करने के लिए या उसमें परिवर्द्धन या परिवर्तन करने के लिए अथवा उसे सही दशा में रखने के लिए, अथवा सरकार से उधार लेकर कर्तव्य स्थान से भिन्न किसी स्थान पर मकान का निर्माण करने के लिए;

(च) खण्ड (ग) के अधीन क्रय किए गए स्थान पर मकान का निर्माण करने के लिए,

(ग) अभिदायकर्ता की सेवा निवृत्ति की तारीख के पूर्व छह मास के भीतर किसी भी समय, निधि में उसके नाम में जमा रकम में से, फार्म के लिए भूमि या कारोबार के लिए भवन अथवा दोनों को प्राप्त करने के प्रयोजन के लिए, दे सकते हैं।

टिप्पण :—1—(क) वह अभिदायकर्ता, जिसने निर्माण और आवास मंत्रालय की, अग्रिम धन की मजूरी की किसी स्कीम के अन्तर्गत कोई अग्रिम भवन निर्माण के प्रयोजन के लिए लिया है, अथवा जिस किसी अन्य सरकारी खेत से इस वाकत कोई सहायता अनुज्ञात की गई है, खण्ड (ख) के उप-खण्ड (क), (ग), (घ) या (च) के अधीन, उनमें विनिर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए, तथा पूर्वोक्त स्कीम के अधीन लिए गए किसी उधार को वापस करने के प्रयोजन के लिए, नियम 16 के उप-नियम (1) के परन्तुक में विनिर्दिष्ट सीमा के अधीन रहते हुए, अग्रिम रूप से धन निकासी का पात्र होगा।

(ख) यदि अभिदायकर्ता का कोई पैतृक मकान है अथवा उसने अपने कर्तव्य के स्थान से भिन्न किसी स्थान पर कोई मकान सरकार से लिए गए उधार की सहायता से बनाया है तो वह अपने कर्तव्य स्थान पर मकान के लिए कोई स्थान क्रय करने के लिए या कोई दूसरे मकान के निर्माण के लिए या अतिरिक्त प्लैट लेने के लिए, खण्ड (ख) के उप-खण्ड (क), (ग) या (घ) के अधीन अन्तिम निकासी का पात्र होगा।

टिप्पण 2—खण्ड (ख) के उप-खण्ड (क), (घ) (ङ) या (च) के अधीन निकासी की मजूरी तभी प्रदान की जाएगी जब अभिदायकर्ता बनाए जाने वाले मकान का नक्शा या किए जाने वाले परिवर्द्धन अथवा परिवर्तनों का नक्शा, जो उस खेत के जहाँ स्थान या मकान स्थित है, स्थानीय नगरपालिका निकाय, द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित हो (केवल उन्ही दशाओं में जहाँ नक्शे का वास्तव में अनुमोदन कराना पड़ता हो) प्रस्तुत कर दे।

टिप्पण 3—खण्ड (ख) के उप-खण्ड (ख) के अधीन मंजूर की गई निकासी की रकम, आवेदन की तारीख की अतिशेष और उप-खण्ड (क) के अधीन पूर्व निकासियों की रकम के योग के 2/3 अंश

पूर्व निकासियत की रकम, अधिक नहीं होगी। यह फार्मूला इस प्रकार से है : (उम तारीख की विद्यमान अधिशेष—संबंधित मकान के लिए पूर्व निकासी/निकासियों की रकम का 3/4-पूर्व निकासियों की रकम)।

टिप्पण 4.—खण्ड (ख) के उप-खण्ड (क) या (घ) के अधीन निकासियों उम दशा में भी अनुज्ञान की जाएगी जहां मकान के लिए स्थान या मकान पत्नी या पति के नाम में है, परन्तु यह तब जब पत्नी या पति अभिदायकता द्वारा किए गए नामनिर्देशन में भविष्य निधि के धन को प्राप्त करने के लिए प्रथम नामनिर्देशित हो।

टिप्पण 5.—इस नियम के अधीन एक प्रयोजन के लिए केवल एक निकासी अनुज्ञान की जाएगी। किन्तु विभिन्न बालकों के विवाह, या शिक्षा के लिए, या विभिन्न समयों पर बीमारियों के लिए, या उस क्षेत्र की स्थानीय नगरपालिका निकाय द्वारा, जहां मकान प्लेट स्थित है, सम्यक् रूप से अनुमोदित गए नक्शों के अनुसार मकान या प्लेट में और परिवर्द्धन या परिवर्तन करने के प्रयोजन को एक ही प्रयोजन नहीं माना जाएगा। उसी मकान को पूरा करने के लिए खण्ड (ख) के उप-खण्ड (क) या (च) के अधीन दूसरी या पष्वात्पूर्व निकासी, टिप्पण के नीचे अधिकृत सीमा तक अनुज्ञान की जाएगी।

टिप्पण 6.—इस नियम के अधीन कोई निकासी मंजूर नहीं की जाएगी, यदि उसी प्रयोजन के लिए और उसी समय कोई अधिम धन नियम 12 के अधीन मंजूर किया जा रहा हो।

4. उक्त नियमों में नियम 16 में :—

(क) उप-नियम (1) में, (i) टिप्पण 1 में, खण्ड (क) शब्द कोष्ठक और अक्षर के स्थान पर खण्ड (ए) के उप-खण्ड (ए) शब्द, कोष्ठक और अक्षर रखे जाएंगे,

(ii) टिप्पण 2 के स्थान पर निम्नलिखित टिप्पण रखा जाएगा, अर्थात् :—टिप्पण 2 . ऐसी दशा में, जहां अभिदायकर्ता को दिल्ली विकास प्राधिकरण या किसी राज्य या आवासन बोर्ड या मकान निर्माण सहकारी सोसाइटी के माध्यम से ऋय किए गए किसी स्थान या मकान या प्लेट के लिए या बनाए गए किसी मकान या प्लेट के लिए किसी का सन्दाय करना हो, उसे जब-जब किसी किरत का सन्दाय करना हो तब-तब निकासी की अनुज्ञा दी जाएगी। ऐसा प्रत्येक सदाय नियम 16 के उप-नियम (1) के प्रयोजनों के लिए पृथक प्रयोजन के लिए सन्दाय माना जाएगा।

(ख) उप-नियम (2क) में, खण्ड (क) में, नियम 15 कम उप-नियम (1) के खण्ड (घ), खण्ड (ङ) या खण्ड (च) शब्दों, कोष्ठकों, अक्षरों, और अंकों के स्थान पर नियम 15 के उप-नियम (1) के खण्ड (ख) के उप-खण्ड (क), उप-खण्ड (ख) या उप-खण्ड (ग) शब्द, कोष्ठक और अक्षर रखे जाएंगे।

5. उक्त नियमों के नियम 16-क में खण्ड (क), (ख) और (ग) शब्द, कोष्ठक और अंकों के स्थान पर खण्ड (क) के उप-खण्ड (क), (ख) या (ग) शब्द, कोष्ठक और अक्षर रखे जाएंगे।

[किस सं० 19(2)/77/डी०(मित्र०-II) विस मंत्रालय

(रक्षा) यू०प्रो० सं० 137-1977 का]

के० वे० रमणमूर्ति, उप सचिव

New Delhi, the 27th December, 1977

**S.R.O. 10.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the

General Provident Fund (Defence Services) Rules, 1960, namely :—

1. (1) These rules may be called the General Provident Fund (Defence Services) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(2) They shall come into force on the date of their Rules, 1960 (hereinafter referred to as the said rules), in rule 12, in sub-rule (1), after item (c), the following item shall be inserted, namely :—

“(f) to meet the cost of plot or construction of a house or flat for his residence or to make any payment towards the allotment of plot or flat by the Delhi Development Authority or a State Housing Board or a Housing Building Co-operative Society.”

3. In the said rules, in rule 15, for sub rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely :—

“(1) Subject to the conditions specified herein, withdrawals may be sanctioned by the authorities competent to sanction an advance for special reasons under sub-rule (2) of rule 12, at any time.

(A) after the completion of twenty years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement or superannuation, whichever is earlier from the amount standing to his credit in the fund for one or more of the following purposes, namely :—

(a) meeting the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of the subscriber or any child of the subscriber in the following cases, namely :—

(i) for education outside India for academic, technical professional or vocational course beyond the High School stage,

(ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the High School stage;

(b) meeting the expenditure in connection with the betrothal or marriage or both the betrothal and marriage of the subscriber or his sons or daughters, or any other female relation actually dependent on him;

(c) meeting the expenses in connection with the illness, including where necessary, the travelling expenses, of the subscriber or members of his family or any person actually dependent on him;

(B) after the completion of fifteen years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or within ten years before the date of his retirement or superannuation, whichever is earlier, from the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund for one or more of the following purposes, namely :—

(a) building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence including the cost of the site;

(b) repaying an outstanding amount on account of loan expressly taken for building or acquiring a suitable house or ready-built flat for his residence;

(c) purchasing a house-site for building a house thereon for his residence or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose;

(d) reconstructing or making additions or alterations to a house or a flat already owned or acquired by a subscriber;

(e) renovating additions or alterations or upkeep of an ancestral house at a place other than the place of duty or to a house built with the assistance of loan from Government at a place other than the place of duty;

(f) constructing a house on a site purchased under clause (c);

(C) within six months before the date of the subscriber's retirement, from the amount standing to his credit in the Fund for the purpose of acquiring a farm land or business premises or both.

Note. 1(a)—A subscriber who has availed himself of an advance under the Scheme of the Ministry of Works and Housing for the grant of advance for house building purpose, or has been allowed any assistance in this regard from any other Government source, shall be eligible for the grant of final withdrawal under sub-clause (a), (c), (d) or (f) of clause (B) for the purposes specified therein and also for the purpose of repayment of any loan taken under the aforesaid Scheme subject to the limit specified in the proviso to sub-rule (1) of rule 16.

(b) If a subscriber has an ancestral house or built a house at a place other than the place of his duty with the assistance of loan taken from the Government he shall be eligible for the grant of a final withdrawal under sub-clause (a), (c) or (f) of clause (B) for purchase of a house site or for construction of another house or for acquiring a ready-built flat at the place of his duty.

Note. 2.—Withdrawal under sub-clause (a), (d), (e) or (f) of clause (B) shall be sanctioned only after a subscriber has submitted a plan of the house to be constructed or of the additions or alterations to be made, duly approved by the local municipal body of the area where the site or house is situated and only in cases where the plan is actually got to be approved.

Note. 3.—The amount of withdrawal sanctioned under sub-clause (b) of clause (B) shall not exceed 3/4th of the balance on date of application together with the amount of previous withdrawal under sub-clause (a), reduced by the amount of previous withdrawal. The formula to be followed is 3/4th of (the balance as on date plus amount of previous withdrawal(s) for the house in question) minus the amount of the previous withdrawal(s).

Note. 4.—Withdrawal under sub-clause (a) or (d) of clause (B) shall also be allowed where the house site or house is in the name of wife or husband provided she or he is the first nominee to receive Provident Fund money in the nomination made by the subscriber.

Note 5.—Only one withdrawal shall be allowed for the same purpose under this rule. But marriage or education of different children or illness on different occasions or a further addition or alteration to a house or flat covered by a fresh plan duly approved by the local municipal body of the area where the house or flat is situated shall not be treated as the same purpose. Second or subsequent withdrawal under sub-clause (a) or (f) of clause (B) for completion of the same house shall be allowed upto the limit laid down under Note 3.

Note. 6.—A withdrawal under this rule shall not be sanctioned if an advance under rule 12 is being sanctioned for the same purpose and at the same time".

4. In the said rules, in rule 16.—

(a) in sub-rule (1),—

(i) in Note 1, for the word, brackets and letter "clause (a)" the words, brackets and letters "sub-clause (a) of clause (A)" shall be substituted;

(ii) for Note 2, the following Note shall be substituted, namely :—

"Note 2.—In cases where a subscriber has to pay in instalments for a site or a house or flat purchased, or a house or flat constructed through the Delhi Development Authority or a State Housing Board or a House Building Co-operative Society, he shall be permitted to make a withdrawal as and when he is called upon to make a payment in any instalment. Every such payment shall be treated as a payment for a separate purpose for the purposes of sub-rule (1) of rule 16.";

(b) in sub-rule (2A), in clause (a), for the words brackets, letters and figures "clause (d), clause (e) or clause (f) of sub-rule (1) 15", the words, brackets, letters and figures "sub-clause (a), sub-clause (b) or sub-clause (c) of clause (B) of sub-rule (1) of rule 15" shall be substituted.

5. In rule 16-A of the said rules, for the words, brackets and letters "clause (a), (b) and (c)", the words, brackets and letter "sub-clause (a), (b) or (c) of clause (A)" shall be substituted.

[Case No. 19(2)/77/D(Civ. II)/M of Fin (Def) u.o.

No. 1377-PA of 1977]

K. V. RAMANAMURTHI, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1977

सा० का० नि० 11.— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सैनिक इंजीनियरी सेवा (अनौद्योगिक वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1971 में और सशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम सैनिक इंजीनियरी सेवा (अनौद्योगिक वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) (भर्ती प्रथम संशोधन) नियम, 1978 है

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सैनिक इंजीनियरी सेवा की (अनौद्योगिक वर्ग 3 और वर्ग 4 पद) भर्ती नियम, 1971 की अनुसूची में, एम० टी० ड्राईवर श्रेणी 2 के पद से संबंधित मद सं० 27 के सामने, स्तम्भ 6 में, शब्द "मिडिल स्तर उत्तीर्ण" के पश्चात् कोष्ठक और शब्द "(ऐसे भूतपूर्व सैनिकों की दशा में, जो मशस्त्र बलों में एम० टी० ड्राईवर की ट्रेड में थे, शिथिल की जा सकती है)" अन्तःस्थापित किए जाएंगे।

हि० आ०म०ल० वाज, अवर सचिव

New Delhi, the 27th December, 1977

S.R.O. 11.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Military Engineer Services (Non-Industrial Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1971, namely :—

1. (1) These rules may be called the Military Engineer Services (Non-Industrial Class III and Class IV posts) Recruitment (First Amendment) Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Military Engineer Services (Non-Industrial Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1971, against item No. 27 relating to the post of MT Driver Grade II, in Column 6, after the words "Pass Middle Standard", the brackets and words "(Relaxable in the case of ex-servicemen who were in the trade of MT Driver in the Armed Forces)" shall be inserted.

H. A. M. L. VAZ, Under Secy.

